RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 11 अंक-13 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 23 अप्रैल से 29 अप्रैल 2024 पृष्ठ-8 मूल्य -2

एमपी बोर्ड 5वीं के नतीजे हुए जारी

मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केंद्र (आरएसकेएमपी) आज उन लाखों नन्हे मुन्ने बच्चों का इंतजार खत्म करने जा रहा है, जिन्होंने इस साल 5वीं की परीक्षा दी है और अब नतीजों का इंतजार कर रहे हैं। शिक्षा केंद्र आज सुबह 11 बजे परिणामों की घोषणा प्रेस कॉन्फ्रेंस द्वारा करेगा। परिणाम जारी होने के बाद नतीजों का लिंक राज्य शिक्षा केंद्र की ऑफिशियल वेबसाइट 222.ह्ह्यद्मद्बश्च.द्बठ्ठ पर एक्टिव कर दिया जाएगा। यहां अभिभावक यूजर आईडी और पासवर्ड दर्ज करके अपने बच्चे का परिणाम चेक कर सकेंगे।

राज्य शिक्षा केंद्र, मध्य प्रदेश की 5वीं कक्षा के लिए वार्षिक परीक्षा में सरकारी स्कूलों के 7 लाख 39 हजार 852 छात्रों ने भाग लिया था जिसमें से 6 लाख 37 हजार 927 छात्रों से सफलता हासिलकी है। इस साल मध्य प्रदेश कक्षा 5वीं के लिए सरकारी स्कूलोंका उत्तीर्ण प्रतिशत 86.22 रहा है।

राज्य शिक्षा केंद्र, मध्य प्रदेश द्वारा जारी किए गए 5वीं के नतीजों को देखने पर पता चलता है कि राज्य में सरकारी स्कूलों ने प्राइवेट स्कूलों से ज्यादा पासिंग पर्सेंटेज हासिल किया है। दूसरी तरफ सरकारी और प्राइवेट दोनों से मदरसे में पढ़ने वाले छात्रों का पासिंग पर्सेंटेज काफी कम रहा है, जिसकी डिटेल इस प्रकार है।

सरकारी स्कूल पासिंग पर्सेंटेज 91.53 प्रतिशत
प्राइवेट स्कूल पासिंग पर्सेंटेज 90.18 प्रतिशत
मदरसों का पासिंग पर्सेंटेज 73.26 प्रतिशत

खरगोन दंगे को लेकर मुश्किल में कैलाश विजयवर्गीय

कांग्रेस बोली- विजयवर्गीय पर हो एफआईआर

मध्य प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री और इंदौर भाजपा के दिग्गज नेता कैलाश विजयवर्गीय की मुसीबत बढ़ सकती है। दरअसल, खरगोन जिले में 10 अप्रैल 2022 को रामनवमी पर हुई हिंसा के बाद कैलाश विजयवर्गीय ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया था। विजयवर्गीय ने इसे खरगोन का वीडियो बताते हुए अल्पसंख्यक वर्ग पर टिप्पणी भी की थी।

इस मामले को लेकर मप्र कांग्रेस के प्रवक्ता और इंदौर के नेता अमिनुल सूरी ने इंदौर हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, याचिका की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने तिलक नगर पुलिस को 90 दिन में जांच कर स्नद्बक्र दर्ज करने के आदेश जारी किए हैं।

कांग्रेस नेता डॉ. अमिनुल सूरी ने 16 अप्रैल 2022 को तिलक नगर थाने में पूरे मामले की शिकायत की थी। उन्होंने अपनी शिकायत में लिखा था कि कैलाश विजयवर्गीय ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर तेलंगाना के वीडियो को खरगोन का बताया और इसका जो कैप्शन दिया वह अल्पसंख्यकों को भड़काने व शांति भंग करने वाला है। सूरी की इस शिकायत के साल भर बाद भी पुलिस नु केस दर्ज नहीं किया, तो सूरी ने इंदौर हाईकोर्ट में याचिका दायर की। याचिका की सुनवाई के दौरान इंदौर हाईकोर्ट ने पुलिस को 90 दिनों के अंदर जांच कर स्नद्बक्र दर्ज करने के आदेश जारी किए हैं।

बड़े साइज़ में विज्ञापन छपवाकर माफ़ी मांगें - रामदेव और बालकृष्ण से सुप्रीम कोर्ट

रामदेव के वकील मुकुल रोहतगी ने अदालत से कहा कि हमने माफ़ीनामा दायर किया है. इस पर जस्टिस हिमा कोहली ने पूछा कि इसे कल क्यों दायर किया गया. हम अब बंडलों को नहीं देख सकते, इसे हमें पहले ही दिया जाना चाहिए था.

नई दिल्ली- पतंजलि आयुर्वेद द्वारा अपनी दवाओं के लिएभ्रामक दावों को लेकर अदालत की अवमानना को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान रामदेव को कड़ी फटकार लगाई. इसके साथ ही रामदेव और बाल कृष्ण को अदालत ने 30 अप्रैल को फिर से पेश होने का आदेश दिया है. सुनवाई के दौरान अदालत ने रामदेव को आदेश दिया कि वह बड़े साइज में पतंजलि माफीनामे का विज्ञापन फिर से जारी करें. अदालत की फटकार के दौरान रामदेव ने नया विज्ञापन छपवाने की बात सुप्रीम कोर्ट से कही थी, जिसकी अदालत ने मंजूरी दे दी. रामदेव के वकील मुकुल रोहतगी ने अदालत से कहा कि हमने माफ़ीनामा दायर किया है. इस पर जस्टिस हिमा कोहली ने पूछा कि इसे कल क्यों दायर किया गया. हम अब बंडलों को नहीं देख सकते, इसे हमें पहले ही दिया जाना चाहिए था. वहीं जस्टिस अमानुल्लाह ने पूछा कि यह कहां प्रकाशित हुआ है. जिसका जवाब देते हुए मुकुल रोहतगी ने बताया कि 67 अख़बारों में दिया गया है. जिस पर जस्टिस कोहली ने पूछा कि क्या यह आपके पिछले विज्ञापनों के समान आकार का था. जिस पर रामदेव के वकील ने कहा कि नहीं, इस पर 10 लाख रुपए खर्च किए गए हैं.

मुख्तार अंसारी की विसरा रिपोर्ट आने के बाद यूपी की सियासत में भूचाल, अखिलेश यादव से माफी की मांग

मुख्तार अंसारी की मौत की वजह का खुलासा होने के बाद अखिलेश यादव पर भाजपा ने जुबानी हमला किया है. यहां पढ़ें केशव प्रसाद मौर्य ने क्या कहा?

माफिया मुख्तार अंसारी की विसरा रिपोर्ट आने के बाद उत्तर प्रदेश की सियासत में भूचाल आ गया है. यहां भारतीय जनता पार्टी के नेता और योगी सरकार में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव से माफी मांगने की बात कही है. एबीपी न्यूज़ से बातचीत में केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि विसरा रिपोर्ट में इस बात की पुष्टि हो गई है कि मुख्तार की मौत जहर से नहीं हुई थी ऐसे में सपा नेता को माफी मांगनी चाहिए.

डिप्टी सीएम ने कहा कि आरोप लगाना फैशन हो गया है कि बीजेपी की सरकार है तो फैशन लगा दो लेकिन सच्चाई छिपती नहीं है. अब अखिलेश यादव जनता से माफी मांगें. उन्होंने भी ऐसे ही आरोप लगाए थे. अब रिपोर्ट आ गई है तो वो माफी मांगें.

संपादकीय

क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम का कायापलट, क्यों जरूरी हैं तीन नए कानून?

देश में तीन नए कानूनों की वकालत चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डी वाई चंद्रचूड़ ने भी की है। उन उन्होंने इसे युगांतकारी बताया है। ये तीन कानून सिस्टम का कायापलट कर सकते हैं। देश के क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में प्रस्तावित आमूल बदलाव को उस समय काफी ताकत मिली, जब शनिवार को ष्टछ्वढ्ढ डी वाय चंद्रचूड़ ने उसे युगांतकारी बताया। इस बदलाव का मुख्य वाहक बन रहे तीन कानून - भारतीय न्याय संहिता भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम - न केवल संसद के दोनों सदनों से पारित हो चुके हैं बल्कि उन्हें राष्ट्रपति की मंजूरी भी मिल चुकी है। ये कानून इस साल एक जुलाई से लागू होने वाले हैं। ष्टछ्वढ्ढ के बयान की अहमियत इस मायने में है कि प्रस्तावित बदलावों को लेकर समाज के कुछ हिस्सों में कुछ आशंकाओं के भी संकेत मिलते रहे हैं।

ट्रक ड्राइवरों की हड़ताल

इन्हीं आशंकाओं का एक रूप साल के शुरू में ट्रक ड्राइवरों की राष्ट्रव्यापी हड़ताल के रूप में सामने आया। ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस का कहना था कि ड्राइवरों ने अपनी पहल पर काम बंद किया है और इसके पीछे प्रस्तावित नए कानूनों के तहत हिट एंड रन मामलों के लिए किए गए सख्त प्रावधानों के दुरुपयोग का डर है। सरकार उस डर को निराधार बता रही थी। फिर भी उसने आश्वासन दिया कि इससे संबंधित भारतीय न्याय संहिता की धारा 106 (2) को उनसे विचार-विमर्श के बाद ही लागू किया जाएगा। 1 जुलाई से तीनों कानूनों के बाकी प्रावधान लागू हो जाएंगे, लेकिन हिट एंड रन से जुड़े प्रावधानों के अमल पर रोक लगी रहेगी।

आशंकाओं को परखने की जरूरत

जब भी कोई बड़ा बदलाव लाया जाता है तो उसे लेकर शंकाएं-आशंकाएं होती ही हैं। इन आशंकाओं को सही नजरिए के साथ परखने की जरूरत होती है। इस लिहाज से देखा जाए तो CJI का ताजा बयान जहां बदलते दौर की जरूरतों के मद्देनजर प्रस्तावित बदलावों की अहमियत को रेखांकित करता है, वहीं यह भी बताता है कि इन बदलावों के पीछे जो मकसद हैं, वे अपने आप हासिल नहीं हो जाएंगे। उसके लिए कई स्तरों पर समानांतर प्रयास चलाए जाने की जरूरत है।

तकनीकी विकास का फायदा

असल जरूरत यह समझने की है कि जब समाज और हमारा जीवन पूरी तरह से रूपांतरित हो रहा हो तब हम पुराने कानूनों से चिपके रहते हुए काम नहीं चला सकते। प्रस्तावित तीनों कानून हमारे क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में उस तरह के बदलाव लाने वाले हैं, जिनकी जरूरत काफी समय से महसूस की जा रही थी। तलाशी और जब्ती प्रक्रिया की ऑडियो-विजुअल रेकॉर्डिंग की बात हो या क्राइम सीन पर फॉरेंसिक एक्सपर्ट की मौजूदगी की - जांच और न्याय प्रक्रिया में नवीनतम तकनीक का इस्तेमाल सुनिश्चित करने वाले इन उपायों का विरोध करने की कोई सुसंगत वजह नहीं दिखती।

संपादक-
गोपाल गावंडे

संवेदनशीलता की शर्त

मगर ऐसे बदलावों के दुरुपयोग की आशंकाओं को भी खारिज नहीं किया जा सकता। जाहिर है, ऐसे में खुले दिल-दिमाग के साथ सतर्कता बरतते हुए आगे बढ़ना ही सबसे सही विकल्प है। हां, नागरिक अधिकारों और डेटा सुरक्षा को लेकर संवेदनशीलता इसकी अनिवार्य शर्त होनी चाहिए।

राजनीति

75% आबादी के पास AC-कूलर नहीं, 30% ने कभी TV नहीं देखा... भारत में संपत्ति के मामले में कहां ठहरते हैं हिंदू-मुस्लिम?

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, हिंदुस्तान की 20 फीसदी आबादी सबसे अमीर की कैटेगरी में आती है. जबकि, हिंदू और मुसलमानों के संपत्ति में बहुत ज्यादा अंतर नहीं है. वहीं, एक अंतर्राष्ट्रीय संस्था की रिपोर्ट बताती है कि भारत की एक फीसदी आबादी का देश की 40 फीसदी से ज्यादा संपत्ति पर हक है.

कांग्रेस के घोषणापत्र पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी दो दिन से चर्चा में है. उन्होंने रविवार को राजस्थान के बांसवाड़ा में कहा था कि अगर कांग्रेस की सरकार आई तो वो लोगों की संपत्तियां लेकर ज्यादा बच्चों वालों और घुसपैठियों में बांट देगी.

पीएम मोदी ने कहा था, ये कांग्रेस का मेनिफेस्टो कह रहा है कि वो मां-बहनों के गोल्ड का हिसाब रखेंगे. उसकी जानकारी लेंगे और फिर उसे बांट देंगे. और उनको बांटेंगे जिनको मनमोहन सिंह की सरकार ने कहा था संपत्ति पर पहला अधिकार मुसलमानों का है. भाइयो-बहनो, ये अर्बन नक्सल की सोच, मेरी मां-बहनों, ये आपका मंगलसूत्र भी नहीं बचने देंगे. ये यहां तक आ जाएंगे.

हालांकि, कांग्रेस के घोषणापत्र में संपत्ति लेकर उसे बांटने का वादा नहीं मिलता है. लेकिन राहुल गांधी ने कहा था कि अगर कांग्रेस की सरकार बनने के बाद फाइनेंशियल और इंस्टीट्यूशनल सर्वे कराया जाएगा और पता लगाया जाएगा कि हिंदुस्तान का धन किसके हाथों में है. उन्होंने कहा था कि जो आपका हक बनता है, वो हम आपको देने का काम करेंग ।ऐसे में जब संपत्ति की बात चल रही है तो जान लेते हैं कि हिंदुस्तानियों के पास कितनी संपत्ति है? इसे लेकर कई आंकड़े हैं. सरकारी आंकड़े बताते हैं कि भारत की 20 फीसदी आबादी ही सबसे अमीर है. जबकि, अंतर्राष्ट्रीय संस्था के आंकड़े बताते हैं कि 1त्न भारतीयों का देश की 40त्न से ज्यादा संपत्ति पर कब्जा है।

कितने अमीर हैं भारतीय?

नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे ने संपत्ति के आधार पर पांच हिस्से तय किए हैं. इनमें सबसे गरीब, गरीब, मिडिल, अमीर और सबसे अमीर है।

इस सर्वे के आंकड़ों के मुताबिक, शहरी इलाकों की लगभग 46 फीसदी आबादी सबसे अमीर है. वहीं, गांवों की महज 8 फीसदी आबादी ही सबसे अमीर की कैटेगरी में शामिल है.

सर्वे से पता चलता है कि चंडीगढ़ में भारत के सबसे अमीर लोगों की संख्या सबसे ज्यादा है. यहां की 79 फीसदी आबादी के पास सबसे ज्यादा संपत्ति है. इसके बाद दिल्ली (68%) और फिर हरियाणा (48%) है.

हिंदू या मुसलमान... कौन ज्यादा अमीर?

एनएफएचएस के आंकड़े बताते हैं कि हिंदू और मुसलमानों में संपत्ति का अंतर बहुत ज्यादा नहीं है. दोनों ही धर्मों की लगभग 20 फीसदी आबादी सबसे गरीब है. जबकि, 19 फीसदी आबादी सबसे अमीर है।

धर्म के आधार पर देखा जाए तो सबसे ज्यादा संपत्ति के मालिक जैन हैं. जैन धर्म को मानने वाले 80 फीसदी से ज्यादा लोग सबसे अमीर है. दूसरे नंबर पर सिख हैं, जिनकी करीब 59 फीसदी आबादी सबसे अमीर लोगों में शामिल है. जबकि, तीसरे नंबर पर ईसाई (26% आबादी) आते हैं.

इसी तरह अनुसूचित जाति (एससी) की महज 12 फीसदी आबादी ही सबसे अमीर की कैटेगरी में आती है. जबकि, अनुसूचित जनजाति (एसटी) की 6 फीसदी से भी कम आबादी ऐसी है, जो भारत के सबसे अमीर लोगों में आती है.

75% आबादी के पास एसी-कूलर तक नहीं

दूसरी ओर, NFHS-5 का सर्वे ये भी बताता है कि आज भी भारत की एक बड़ी आबादी ऐसी है, जिसके पास जरूरी सामान तक नहीं है.

इस सर्वे के मुताबिक, 30 फीसदी आबादी के पास प्रेशर कुकर भी नहीं है. वहीं, 15 फीसदी आबादी के पास कुर्सी और 40 फीसदी आबादी के पास टेबल भी नहीं है.इतना ही नहीं, 30 फीसदी से ज्यादा आबादी ऐसी है, जिसके पास कोई टीवी नहीं है. लगभग 75 फीसदी आबादी के पास न एसी है और न ही कूलर. जबकि, 22 फीसदी लोग तो ऐसे हैं जिनके पास कोई घड़ी तक नहीं है.

दूसरी ओर... 40% संपत्ति पर 1% का हक

ऑक्सफैम की रिपोर्ट बताती है कि भारत की 40 फीसदी से ज्यादा आबादी पर महज 1 फीसदी लोगों का हक है. ये रिपोर्ट पिछले साल जनवरी में आई थी. इसमें दावा किया गया था कि भारत की 40.5%संपत्ति के मालिक देश के 1% सबसे अमीर लोग हैं.रिपोर्ट में कहा गया था कि दुर्भाग्य से भारत सिर्फ अमीर लोगों का देश बनता जा रहा है. जबकि दलित, आदिवासी, मुस्लिम, महिलाएं और मजदूर लगातार पीड़ित हो रहे हैं और इस कारण अमीर और अमीर होते जा रहे हैं.

इंदौर में फायर सेफ्टी के लिए बिजनेस बिल्डिंग को अल्टीमेटम

कलेक्टर ने दिया एक महीने का टाइम, जानिए पूरी करना होंगी कौन-कौन सी शर्तें

पिछले दिनों सी-21 के सामने टावर-61 के रूफ टॉप में लगी आग के बाद कलेक्टर आशीष सिंह ने अब और सख्ती की है। उन्होंने मर्केन्टाइल और बिजनेस बिल्डिंगों में फायर सेफ्टी को लेकर दिशा-निर्देश दिए हैं। इन बिल्डिंगों के संचालकों को इसके लिए एक माह का समय दिया गया है। इसके बाद प्रशासन की टीमें इन्हें जांचेगी और खामियां मिलने पर सील बंद की कार्रवाई की जाएगी। इसी कड़ी में पिछले दिनों जिन पांच बिल्डिंग को फायर सेफ्टी नहीं होने पर सील किया गया था, उनके संचालकों से शपथ पत्र भरवारे गए हैं। उन्हें इस शर्त पर खोलने की अनुमति दी है कि वे भी एक माह में फायर सेफ्टी को लेकर सारे इंतजाम करेंगे।

ये हैं फायर सेफ्टी की गाइड लाइन

- 10 मीटर से कम ऊंचाई वाली मर्केन्टाइल-बिजनेस बिल्डिगों आग बुझाने के उपकरण, फर्स्ट हौज रील, डाउन राइजर, मैन्युअल फायर अलार्म, छत पर 10 हजार लीटर पानी की टंकी और फायर पम्प (450 ङ्क्षक्र) जरूरी होगा।
- 10 मीटर से 15 मीटर तक की ऊंचाई वाली बिल्डिंग में भी आग बुझाने के उपकरण, फर्स्ट होज रील, डाउन राइजर, मैन्युअल फायर अलार्म के अलावा अंडर ग्राउंड 50 हजार लीटर का टैंक, छत पर 5 हजार लीटर पानी की टंकी और फायर पम्प जरूरी होगा।

इनसे भरवाए गए शपथ पत्र

इसके पूर्व जिला प्रशासन ने सेवाकुंज अस्पताल, करुणा सागर अपार्टमेंट, जैन ऑर्गेनिज्म इंडस्ट्रीज सहित पांच बिल्डिंग में फायर सेफ्टी के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने पर सील कर दिया था। कलेक्टर ने बताया कि इनके संचालकों को चेतावनी देने के साथ शपथ पत्र भी भरवाए गए हैं। संचालकों ने आश्वस्त किया है कि वे एक माह के अंदर सारे इंतजाम करेंगे। एक माह बाद कहीं भी गड़बड़ी मिलती है तो फिर सील बंद करने के साथ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सेवा कार्यों को मिला सम्मानइंदौर के नरेश फुंदवानी मध्यप्रदेश सिंधु गौरव सम्मान से हुए सम्मानित

इंदौर शहर में सामाजिक एवं सहयोग के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाने वाले सिंधी समाज के समाजसेवी नरेश फुंदवानी का सम्मान किया गया। भोपाल के मध्यप्रदेश सिंधु भवन में आयोजित म.प्र सिंधु गौरव सम्मान में सामाजिक एवं सेवार्थ कार्य में इंदौर शहर में अपनी अलग पहचान बनाने वाले समाजसेवी नरेश फुंदवानी को म.प्र सिंधु गौरव सम्मान से सम्मानित किया।

ये सम्मान उन्हें मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग एवं भोपाल के विधायक भगवानदास सबनानी के मुख्य आतिथ्य में सिंधु भवन ट्रस्ट भोपाल के पदाधिकारी ईश्वर झामनानी, गुलाब ठाकुर, मनोज राजानी, कविता ईसरानी, महेश ठारवानी एवं अध्यक्ष राजेंद्र मनवानी ने दिया। आयोजकों ने बताया कि अपने पिता के सेवा कार्यों को आगे बढ़ाते हुए नरेश फुंदवानी ने इंदौर शहर में सेवा की मिसाल कायम की है और इस सेवा का सम्मान करते हुए सिंधु भवन के साथियों ने खुशी जाहिर की।

भोजशाला एएसआई सर्वे का 31वां दिन

गर्भगृह की दीवारों की कार्बन डेटिंग, यज्ञशाला में दीवार, वेदियों की सफाई के बाद अंदर सफाई शुरू

भोजशाला एएसआई सर्वे का 31वां दिन

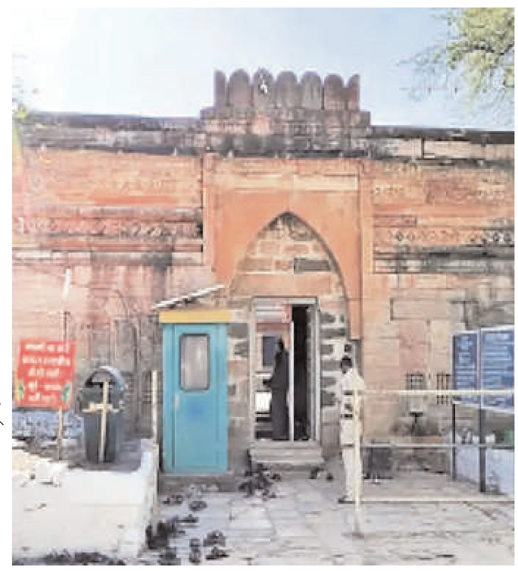

भोजशाला में एएसआई सर्वे के 31वें दिन रविवार को प्राकृत भाषा में लिखे शिलालेख की जांच-पड़ताल चली। तीन विशेषज्ञों की टीम ने गर्भगृह की दीवारों, फर्श समेत कमाल मौलाना दरगाह के भीतर लगे शिलालेख का बारीकी से अध्ययन किया। कार्बन डेटिंग करते हुए अलग-अलग बिंदुओं पर इनके स्कैच तैयार किए। वहीं यज्ञशाला में भी सफाई का काम चला। जहां टीम ने दीवारों से लगी मिट्टी हटाने के साथ वहां से निकले अवशेषों को जांच में शामिल किया। बाहरी क्षेत्र में उत्तरी दिशा में भी खुदाई जारी रही।

सुबह 8 बजे 22 अफसर-कर्मचारियों की टीम ने काम को आगे बढ़ाया। सूत्रों के मुताबिक विशेषज्ञों ने पहले दिन शिलालेख को देखने के बाद दूसरे दिन केमिकल ट्रीटमेंट करते हुए इनकी कार्बन डेटिंग की। इन शिलालेख की हूबहू आकृतियां कागजों पर उकेरी। प्राकृत भाषा में जो लिखावट है, उसकी भी एक समरी तैयार की जा रही है। यज्ञशाला में दीवार, वेदियों की सफाई के बाद अंदर सफाई शुरू कर दी है। जहां से कई तथ्य टीम को मिलने की संभावना है। बाहरी क्षेत्र में भी काम जारी है।

अलग समग्र आईडी तो एक ही घर में मिलेंगे 2कनेक्शन

इससे बिजली कंपनी दे सकेगी सबसिडी, बिजली कंपनी को आदेश जारी

एक ही घर में दो बिजली कनेक्शन दिए जाने की व्यवस्था ऊर्जा विभाग ने शुरू कर दी है। प्रदेश की तीनों बिजली वितरण कंपनी को भेजे गए आदेश में कहा गया कि एक घर में दूसरा बिजली कनेक्शन कुछ शर्तों के साथ दिया जा सकेगा। इसकी दो सबसे अहम शर्त है।

पहली तो यह कि जिस घर से दूसरा कनेक्शन मांगा गया है, वहां रहने वालों की समग्र आईडी अलग-अलग होना चाहिए। मतलब जिसके नाम से पहले से कनेक्शन है, उससे अलग आईडी कनेक्शन मांगने वाले की होना चाहिए। दूसरी शर्त गैस कनेक्शन अलग नाम से होना चाहिए। मतलब एक घर में दो किचन होना चाहिए। दूसरा कनेक्शन मांगने वाला परिवार का सदस्य नहीं हो। वहीं सहायक इंजीनियर के बजाए कार्यपालन यंत्री के पास दूसरे कनेक्शन का प्रस्ताव जाएगा।

इसलिए बंद किए थे दो कनेक्शन

चार साल पहले सरकार ने 150 यूनिट खपत पर 300 रुपए बिजली बिल दिए जाने की योजना शुरू की थी। अब जिन घरों में खपत 150 यूनिट से अधिक है, वह इस योजना का लाभ नहीं ले पा रहे थे। 151 यूनिट होते ही उनका बिल 600 रुपए से अधिक आ रहा था। उन्हें सरकारी सबसिडी नहीं मिल रही थी इस बिल से बचने के लिए दूसरा कनेक्शन लिया जाने लगा था। 200 यूनिट की खपत होने पर एक मीटर में 100 और दूसरे मीटर में 100 यूनिट का बंटवारा हो जाता था। इससे योजना के दायरे में उपभोक्ता आसानी से आ जाते थे। तेजी से दूसरे कनेक्शन की मांग बढ़ने लगी तो शासन ने इसे बंद कर दिया था। 10 अप्रैल को बिजली कंपनी को ऊर्जा विभाग का आदेश मिला है।

इधर, स्टांप की जबरन मांग

सिंगल फेज का घरेलू और गैर घरेलू कनेक्शन देने के लिए बिजली नियामक आयोग ने किसी तरह का स्टांप उपभोक्ता से नहीं लेने के आदेश जारी हैं। इसके बाद शहर के सभी 32 जोन में सहायक इंजीनियर द्वारा जबरन उपभोक्ताओं से 500 रुपए का स्टांप मांगा जा रहा है। स्टांप नहीं देने की सूरत में 500 रुपए की रसीद काटी जा रही है, जबकि नियामक आयोग की कंडिका 5.5 में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि बगैर स्टांप कनेक्शन दिया जाएगा। अधीक्षण यंत्री शर्मा का कहना है सभी जोन को आदेश दिया जाएगा कि स्टांप की मांग नहीं की जाए।

आत्मअनुभूति द्वारा आसानी से प्राप्त होता है परम तत्व

सहजयोग में पद, प्रतिष्ठा या अन्य ऐसी कोई चीज नहीं है। हमें विनम्र बनना होगा। यह झूठा अहंकार किसी काम का नहीं है। हमें विनम्र होना चाहिए। जब हम विनम्र होते हैं तो इसे (परम को) पाना और इसे अपने अंदर स्थापित करना बहुत आसान हो जाता है। आखिरकार, यह सब कुछ क्या है? जीवन किस लिए है? कोई आनंद नहीं है। जो भी आप कर रहे हैं, उसका कोई भी सुख नहीं। आप क्या कर रहे हैं?......... जिस तरह से आप सुबह पानी के साथ स्नान करते हैं उसी प्रकार आप इस कुंडलिनी के फव्वारों में नहाएं। वह आपकी माँ हैं। वह युगों युगों से आपकी माँ हैं और उसने आपके बारे में सब कुछ रिकार्ड कर रखा है।...... आपको सामूहिक होना होगा और यह काम करता है। सामूहिकता में आप सब कुछ भूल जाते हैं, आपका पद इत्यादि सब कुछ। इस स्थिति में तब आप दूसरों की मदद कर सकते हैं। आप दूसरों को आत्मसाक्षात्कार दे सकते हैं। आप उनके जीवन बर्बाद होने से बचा सकते हैं। मेरा अर्थ है, यह सब आपकी शक्ति है जो इसे सफल बनाने वाली है। आजकल के भयानक संघर्ष के दौर में हर तरह की घटनाएँ घटित हो रही हैं, हिंसा, इत्यादि। अतः ऐसे समय में सहजयोग की बहुत आवश्यकता है। और आप आश्चर्यचकित रह जाएंगे, कि यह एक तरह की अनुकंपा है कि लोग इसे प्राप्त करते हैं।

श्री माताजी निर्मला देवी। 12 मार्च, 1990।

वैशाख मास 2024 की शुरुआत कल से, जानें इस महीने में क्या करें क्या नहीं

वैशाख मास का आरंभ कल से यानी कि 24 अप्रैल से हो रहा है। भगवान कृष्ण की भक्ति को समर्पित यह महीना शास्त्रों में बहुत खास माना गया है। धार्मिक मान्यताओं में इस महीने का महत्व बहुत ही शुभ माना गया है। भगवान की भक्ति के साथ ही आपको इस महीने में कुछ नियमों का पालन भी करना चाहिए। आइए जानते हैं कौन से हैं ये नियम और खास बातें।

वैशाख मास की शुरुआत 24 अप्रैल बुधवार से हो रही है। बुधवार को वैशाख कृष्ण पक्ष का पहला दिन है। धार्मिक रूप से वैशाख मास का महत्व शास्त्रों में बहुत ही खास बताया गया है। स्कंदपुराण में वैशाख मास को सभी मासों में उत्तम बताया गया है। वैशाख मास के बारे में ऐसी मान्यता है कि इसमें जो व्यक्ति सूर्योदय से पहले स्नान करता है तथा व्रत रखता है, वह भगवान विष्णु की कृपा का पात्र बनता है। स्कंदपुराण में बताया गया है कि इस महीने में महीरथ नामक राजा ने वैशाख स्नान से ही बैकुंठधाम की प्राप्ति कर ली थी। इसमें व्रती को प्रतिदिन प्रात्काल सूर्योदय से पूर्व किसी तीर्थस्थान, सरोवर, नदी या कुएं पर जाकर स्नान करना चाहिए। यदि ऐसा संभव न हो पाए तो घर में ही नहाने के पानी में गंगाजल डालकर स्नान करें और पुण्य प्राप्त हो जाएगा। आइए आपको बताते हैं कि इस महीने में किन नियमों का पालन करना चाहिए। जानिए क्या करें और क्या नहीं।

वैशाख मास में यदि आप व्रत नहीं कर सकते हैं तो व्रत महात्म्य की कथा सुनना चाहिए। ऊं नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का रोजाना कम से कम 11 बार जप करना चाहिए। व्रती को एक समय भोजन करना चाहिए। वैशाख मास में जरूरतमंद लोगों को कम से कम साफ जल पिलाने की व्यवस्था जरूर करें। इस मास में प्याऊ की स्थापना करवानी चाहिए। पंखा, खरबूजा एवं अन्य फल, अन्न आदि का दान करना चाहिए।

स्कंदपुराण के अनुसार इस मास में तेल लगाना, दिन में सोना, कांसे के बर्तन में भोजन करना और दिन में दो बार भोजन करना वर्जित माना गया है। हो सके तो आप भी एक वक्त का भोजन त्याग दें और इन दिनों में जमीन पर सोना चाहिए।

वैशाख मास के देवता भगवान मधुसूदन हैं यानी कि भगवान कृष्ण माने जाते हैं। इसलिए इस महीने में लहसुन प्याज का त?याग करना चाहिए तली भुनी चीजें भी नहीं खानी चाहिए। आप चाहें तो इस महीने में बेल खा सकते हैं।

कब से लग रहा है नौतपा, इन 9 दिनों में आग उगलेगा आसमान

गर्मी धीरे-धीरे अपना प्रचंड रूप धारण कर रही है। मई के महीने के 9 दिन तापमान सबसे अधिक होगा और उस अवधि को ज्योतिष में नौतपा कहा जाता है। नौतपा का आरंभ 25 मई को होगा और सूर्य व पृथ्वी के बीच की दूरी इस वक्त सबसे कम हो जाएगी। आइए जानते हैं इसके महत्व के बारे में विस्तार से।

नौतपा का आरंभ इस साल 25 मई से होगा, जब सूर्य आग उगलना आरंभ करेंगे। नौतपा 25 मई से शुरू होकर 2 जून तक चलेगा। सूर्य 25 मई को सुबह को 3 बजकर 16 मिनट पर रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे और उसके बाद 2 जून को 7 जून को सूर्य मृगशिरा नक्षत्र में जाएंगे। शुरू के 9 दिन सबसे भीषण गर्मी होने की वजह से इसे नौतपा कहते हैं। इन 9 दिन को सबसे ज्यादा भीषण गर्मी पड़ेगी।

हिंदू पंचांग के अनुसार, हर साल ज्येष्ठ मास की शुरुआत में नौतपा आरंभ होता है। नौतपा 15 दिनों का होता है, लेकिन शुरू के 9 दिन सबसे अधिक गर्मी पड़ने की वजह से इसे नौतपा कहते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यह नक्षत्र 15 दिन रहता है लेकिन, शुरू के 9 दिन नौतपा कहलाते हैं। इन दिनों में तापमान सबसे अधिक रहता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण इसका यह है कि मई के आखिरी सप्ताह में सूर्य और पृथ्वी के बीच की दूरी सबसे कम हो जाती है। सूर्य की किरणें इन दिनों सीधे धरती पर पड़ती है, इसलिए गर्मी इन दिनों में सबसे अधिक होती है।

नौतपा में करें सूर्य देव की उपासना नौतपा के दौरान सूर्यदेव अपनी प्रचंड मुद्रा में होते हैं इसलिए इस वक्त सभी को सूर्य की आराधना करनी चाहिए। ऐसा करने से आपके परिवार के सभी लोग इस भीषण गर्मी के दौरान भी स्वस्थ रहते हैं। सूर्य की पूजा से जुड़े उपाय करने से आपको लाभ होता है और सुख समृद्धि बढ़ती है। इस दौरान जल, दही, दूध, नारियल पानी और ठंडे पदार्थों का सेवन करना चाहिए और साथ ही इन वस्तुओं का दान भी करना चाहिए।

घर में लकड़ी का मंदिर रखते हैं, तो वास्तु शास्त्र के इन 5 नियमों को जरूर जानें

घर में लकड़ी का मंदिर रखने से वास्तु के कई नियम जुड़े हुए हैं। आप अगर घर में लकड़ी का मंदिर रखते हैं, तो आपको इससे जुड़े कुछ नियमों और उपायों के बारे में जरूर पता होना चाहिए, जिससे कि आपके घर में सकारात्मकता का वास हो सके। आइए, जानते हैं घर में लकड़ी के मंदिर से जुड़ी खास बातें।

आपने अपने आसपास ऐसे कई घरों को देखा होगा, जहां पर लकड़ी का मंदिर बना होता है। आजकल बदलते समय के अनुसार घर में लकड़ी का मंदिर रखने का चलन काफी बढ़ गया है। घरों में लकड़ी का मंदिर रखने का एक कारण यह भी है कि आजकल मॉर्डन घरों में स्पेस की बहुत कमी होती है, इसलिए लोग घरों में लकड़ी का मंदिर लगाना पसंद करते हैं लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में लकड़ी का मंदिर लगाने से कई नियम भी जुड़े होते हैं। आइए, जानते हैं घर में लकड़ी का मंदिर लगाने से जुड़े नियम।

किस पेड़ की लकड़ियां है इसका पड़ता है असर?
मंदिर के लिए पूर्व-पश्चिम दिशा है शुभ?
लकड़ी के मंदिर में जरूर बिछाएं पीला या लाल कपड़ा?
लकड़ी के मंदिर में नहीं आनी चाहिए धूल-मिट्टी या दीमक?
दीवार पर न लटकाएं मंदिर?

रूसलान के ट्रेलर ने दर्शकों को किया उत्साहित, उसके खोज का हिस्सा बनने के लिए कर रहे हैं बेसब्री से इंतजार

अपनी पहचान की तलाश में है 'रुस्लान', आयुष शर्मा स्टारर फिल्म का ट्रेलर कर रहा है दर्शकों को इंप्रेस

वजूद क्यों ढूंढे तू, जब हुनर ही तेरा साथी है।

इंदौर (अनिल चौधरी)। मच अवेटेड फिल्म रूसलान से सामने आया दमदार डायलॉग, खूबसूरती से ट्रेलर के सार को खुद में लिए हुए हैं। इस शुक्रवार को मुंबई में रिलीज किया गया ट्रेलर में फिल्म की कहानी की झलक देखने मिलती है, जिसमें नायक को हम खुद की खोज करते हुए देखते हैं।

लीड रोल, जिसे आयुष शर्मा ने निभाया है, वह अपनी पहचान की खोज के लिए एक अथक यात्रा पर निकलता है, जिससे उसकी दुनिया बिखरने का खतरा पैदा हो जाता है। डायरेक्टर करण एल. बुटानी की विजनरी कहानी के साथ-साथ शानदार विजुअल और थ्रिल करने वाले एक्शन सीन्स भी हैं, जो दर्शकों को अपनी सीटों से बांधे रखते हैं। फिल्म में सुश्री मिश्रा को लीड एक्ट्रेस पेश किया गया है, जहाँ वह एक्शन फॉर्म में नजर आने वाली हैं।

रूसलान में एक्शन और सस्पेंस के अलावा, गहरी बातें, मुद्दे हैं जो पहचान और मकसद पर बात करते हैं। यही वह चीजें हैं जो दर्शकों को फिल्म से जोड़ती हैं। बेहद दमदार कहानी और दिल को छू लेने वाले विजुअल्स के साथ रूसलान का ट्रेलर दर्शकों को अपनी कुर्सी के किनारे बैठने पर मजबूर करता है।

आयुष शर्मा कहते हैं, मेरा दिल बेसब्री से इंतज़ार कर रहा है क्योंकि हमने दुनिया के सामने रूसलान का ट्रेलर पेश कर दिया है। यह फ़िल्म प्यार की मेहनत रही है और अब, एक के बाद एक हर फ्रेम सामने आ रहा है, मैं अपनी यात्रा को दूर-दूर तक के दर्शकों के साथ शेयर करने के लिए अपने उत्साह को रोक नहीं पा रहा हूँ। तैयार हो जाइए, क्योंकि रूसलान आपको एक ऐसे सफ़र पर ले जाने वाला है जिसे आप कभी नहीं भूलेंगे!

एक्टर्स सुश्री मिश्रा ने हमें बताया, एक एक्टर के तौर पर रूसलान का हिस्सा बनना चैलेंजिंग और ग्रोथ से भरा एक रोमांचक सफ़र रहा है। हमारे ट्रेलर के रिलीज़ के साथ, मैं दर्शकों को हमारे द्वारा बनाई गई दुनिया की एक झलक दिखाने के लिए उत्साहित हूँ। मुझे यकीन है कि लोग रूसलान की इंटेंसिटी और इमोशन में डूब जाएँगे - यह एक ऐसी फ़िल्म है जो इसे देखने वाले हर व्यक्ति पर एक न मिटने वाली छाप छोड़ेगी।

डायरेक्टर करण एल. बुटानी कहते हैं, मैं रूसलान के ट्रेलर को देखकर बेहद गर्व और उत्साह से भर गया हूं। हमने इस फिल्म को बनाने में अपना पूरा दिल और जान लगा दिया है, और मैं दर्शकों को हमारी कहानी की पूरी गहराई का अनुभव कराने के लिए उत्सुक हूं। रूसलान दुनिया भर के दर्शकों को रोमांचित करेगी।

वहीं, फिल्म के प्रोड्यूसर के के राधामोहन (श्री सत्य साई आर्ट्स) कहते हैं, एक एंटरटेनिंग एक्शन थ्रिलर बनाने की कोशिश की है जो दर्शकों को अपनी तरफ खींचेगी। इस फिल्म में इमोशन, एक्शन सस्पेंस और हर एक एंटरटेनर होने का एलिमेंट है। फिल्म के ट्रेलर ने हमारी ऑडियंस को कहानी की एक झलक दी है और मुझे यकीन है कि यह उनका बेहद पसंद आएगी।

अब जैसे की फिल्म की रिलीज के लिए काउंटडाउन शुरू हो गया है वैसे दर्शकों के बीच फिल्म को देखने के लिए उत्सुकता भी बढ़ती हुई देखने मिल रही है। दर्शन भी इस अनोखी कहानी को देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

आयुष शर्मा, सुश्री मिश्रा, जगपति बाबू और विद्या मालवड़े स्टारर रूसलान को करण एल. बुटानी ने डायरेक्ट किया है और जबकि के. के. राधामोहन (श्री सत्य साईं आर्ट्स) द्वारा इसे प्रोड्यूस किया गया है।

फिल्म 26 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। जबकि, एनएच स्टूडियोज द्वारा रूसलान को वर्ल्ड वाइड रिलीज किया जाएगा।

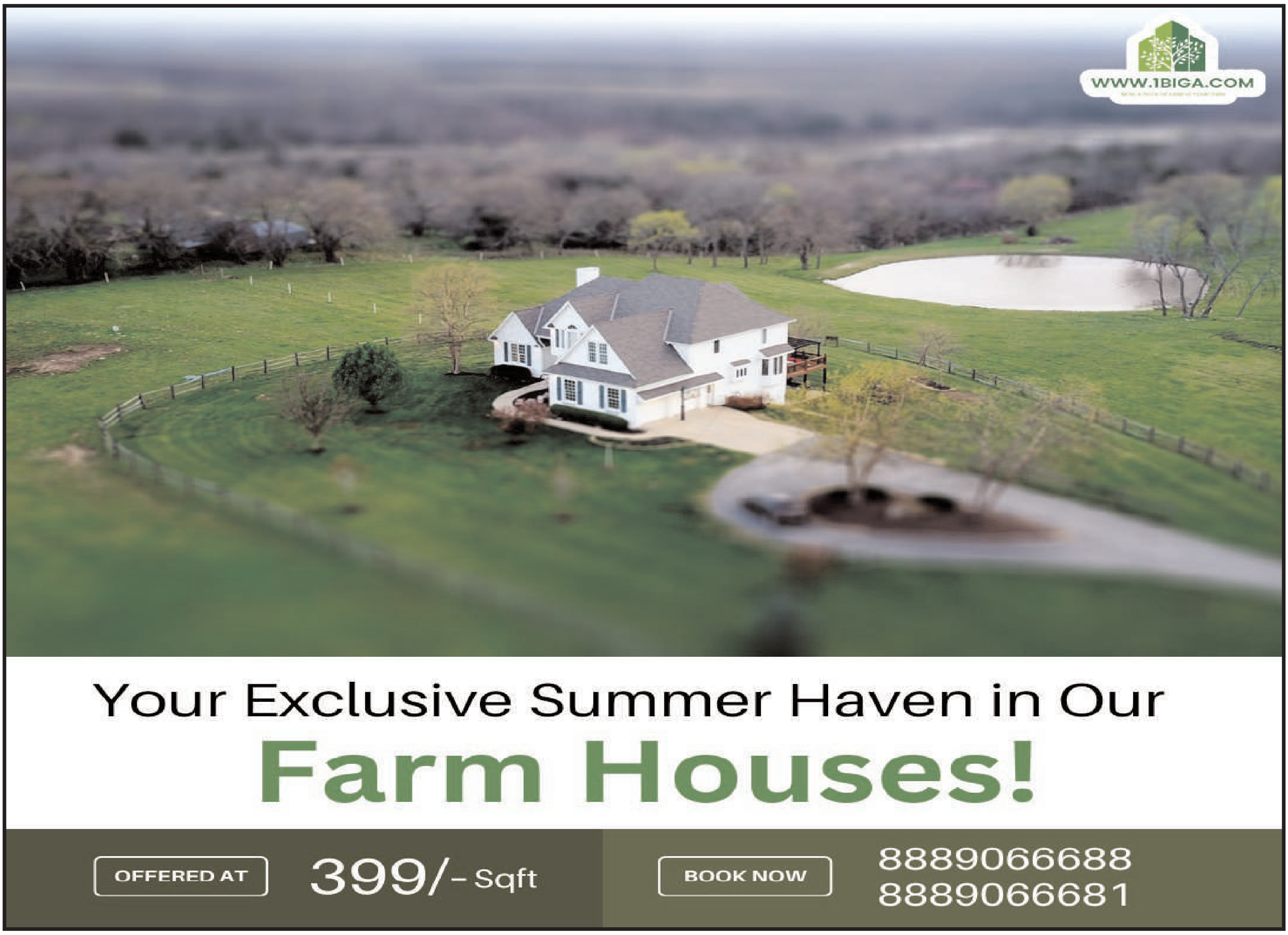

टीम इंडिया के टॉप-3 कौन... टी20 वर्ल्ड कप जिताने वाले क्रिकेटर ने चुनी टीम, कहा- विराट पर सवाल नहीं...

ई दिल्ली. भारत के बेहतरीन ऑलराउंडर रहे इरफान पठान ने टी20 वर्ल्ड कप के लिए एक बार फिर अपनी टीम चुनी है. यह एक महीने के भीतर दूसरा मौका है, जब उन्होंने भारतीय टीम चुनी है. लेकिन इस बार की टीम और पिछली टीम में थोड़ा अंतर है. इरफान पठान ने इस बार अपनी टीम के सिर्फ टॉप-3 का चुनाव किया है. बाकी के लिए क्रिकेटफैंस से राय मांगी है.

इरफान पठान ने 2007 में हुई पहली टी20 वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत को ट्रॉफी जिताने में अहम भूमिका निभाई थी. इरफान पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए थे. उन्होंने 4 ओवर के अपने स्पेल में सिर्फ 16 रन देकर 3 विकेट झटके थे. भारत ने 2007 के बाद कभी भी टी20 वर्ल्ड कप नहीं जीता है.

इरफान पठान ने को ट्वीट कर अगले टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम चुनी. उन्होंने लिखा, वर्ल्ड कप नजदीक आ रहा है. भारतीय टीम के लिए मेरे टॉप-3 ये हैं. 1- रोहित शर्मा, जो मेरी टीम के कप्तान भी हैं. 2-यशस्वी जायसवाल. अगर वे अपना 100 फीसदी परफॉरमेंस नहीं देते तो भी क्योंकि जब वे टीम इंडिया के लिए खेलते हैं तो आईपीएल से ज्यादा अच्छा खेलते हैं.

इरफान पठान टॉप-3 में तीसरे नंबर पर विराट कोहली को रखते हैं. वे अपनी पोस्ट में लिखते हैं, 'टीम में विराट कोहली की जगह या स्ट्राइक रेट को लेकर किसी तरह की बहस की जरूरत नहीं है. टी20 इंटरनेशनल मैचों में विराट का स्ट्राइक रेट क्रिस गेल से भी बेहतर है. आईपीएल 2024 में वे 150 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से रन बना रहे हैं.'

इरफान पठान ने टीम के बाकी सदस्यों के नाम नहीं बताए हैं. लेकिन बता दें कि भारतीय टीम में सबसे अधिक चर्चा विकेटकीपर को लेकर है और इरफान पठान साफ कर चुके हैं कि दिनेश कार्तिक उनकी पसंद नहीं हैं. पठान का कहना है कि दिनेश कार्तिक को टीम में चुनना पीछे मुड़कर देखने जैसा होगा, जिसकी जरूरत नहीं है. भारतीय चयनकर्ताओं को युवा विकेटकीपर ही चुनना चाहिए.

रोहित के बाद किसे टीम इंडिया का कप्तान बनाओ, युवा बल्लेबाज ने जीता हरभजन का दिल; BCCI सेलेक्टर्स से की ये मांग

नई दिल्ली। संजू सैमसन की कप्तानी ने कई दिग्गज खिलाड़ियों को प्रभावित किया है। हरभजन सिंह ने एक्स पर लिखा यशस्वी जयसवाल की पारी इस बात का प्रमाण है कि क्लास परमानेंट है। फॉर्म टेंपरेरी है। T20 वर्ल्ड कप के लिए संजू सैमसन को टीम इंडिया में जगह मिलनी चाहिए। वहीं रोहित शर्मा के बाद संजू सैमसन को टी20 में टीम इंडिया का कप्तान बनाया जाना चाहिए। आईपीएल 2024 के 38वें मैच में राजस्थान रॉयल्स ने एकतरफा मुकाबले में मुंबई इंडियंस को 9 विकेट से हराया। मुंबई से मिले 180 रन के लक्ष्य को राजस्थान ने सिर्फ एक विकेट खोकर हासिल किया।

इस मैच में आरआर के कप्तान संजू सैमसन ने 38 रन की शानदार पारी खेली। वहीं, यशस्वी जायसवाल ने 104 रन की शतकीय पारी खेली। इस सीजन संजू सैमसन की अगुवाई में आरआर ने खेले अब तक 8 मुकाबलों में सात मैचों में जीत दर्ज की है। संजू सैमसन की कप्तानी ने कई दिग्गज खिलाड़ियों को प्रभावित किया है। हरभजन सिंह ने एक्स पर लिखा,यशस्वी जयसवाल की पारी इस बात का प्रमाण है कि क्लास परमानेंट है। फॉर्म टेंपरेरी है। टी20 वर्ल्ड कप के लिए संजू सैमसन को टीम इंडिया में जगह मिलनी चाहिए। वहीं, रोहित शर्मा के बाद संजू सैमसन को टी20 में टीम इंडिया का कप्तान बनाया जाना चाहिए। क्या इस बात पर कोई शक है?

जबरदस्त फॉर्म में दिख रहे संजू

संजू सैमसन ने खेले अब तक 8 मैचों में 62.80 के औसत और 152.42 के स्ट्राइक-रेट के साथ 314 रन बनाए हैं। इस सीजन वो अब तक 3 अर्धशतक जड़ चुके हैं।

RESIDENTIAL PLOTS
FOR SALE

तुरन्त रजिस्ट्री। तुरन्त पजेशन

PLOT SIZE:-
12*50 = 600, SQFT
15*40= 600SQFT
15*50= 750SQFT
20*50= 1000 SQFT

1111/- SQFT
Book an appointment now:
8889066688, 9109639404

WWW.GATEWAYGHAR.IN

सी-विजिल एप पर उल्लंघन की मिली 3 हजार 757 शिकायतें

सभी शिकायतों का हुआ त्वरित निराकरण

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया है कि प्रदेश में लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए 16 मार्च से आदर्श आचार संहिता प्रभावशील है। नागरिकों से सी-विजिल एप पर आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। सी-विजिल एप पर 16 मार्च से 23 अप्रैल तक आचरण संहिता उल्लंघन की 3 हजार 757 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इन सभी शिकायतों का त्वरित निराकरण कर दिया गया है।

श्री राजन ने बताया कि मुख्य रूप से ग्वालियर में 381, सागर में 295, उज्जैन में 257, दमोह में 224, मुरैना में 184, राजगढ़ में 177, रीवा में 166, इंदौर में 159, सीहोर में 119, खरगौन में 112, नरसिंहपुर में 109, कटनी में 106 और सतना जिले में 104 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। प्रदेश के अन्य जिलों से भी इस प्रकार की शिकायतें मिली हैं।

श्री राजन ने प्रदेश के नागरिकों से आग्रह किया है कि यदि वे निर्वाचन में आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन से जुड़ी किसी भी प्रकार की सीधी शिकायत करना चाहते हैं, तो वे सी-विजिल एप से कर सकते हैं। इसके लिए संबंधित नागरिक को गूगल प्ले स्टोर पर जाकर सी-विजिल एप डाउनलोड करना होगा।

100 मिनट में होगी कार्रवाई

श्री राजन ने बताया कि नागरिक को आचरण संहिता के उल्लंघन से जुड़ी किसी भी घटना की जानकारी होने पर फोटो या वीडियो सी-विजिल एप पर अपलोड करना होगा। शिकायत मिलने पर अगले 100 मिनट में कार्रवाई की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आदर्श निर्वाचन आचरण संहिता के उल्लंघन वाली शिकायतों के निवारण के लिए सी-विजिल एप तैयार किया गया है। इस एप के जरिए व्यक्ति राजनैतिक दलों या प्रत्याशियों द्वारा मतदाताओं को लुभाने के लिए किसी भी तरह से धन, सामग्री, कपड़े, जेवरात आदि का वितरण करने, मतदाताओं को अपने पक्ष में मतदान करने के लिए धमकाने, मतदाताओं को स्वयं के वाहन से लाने-ले जाने, किसी भवन स्वामी की अनुमति के बिना उसके भवन या दीवारों या परिसर पर चुनाव प्रचार सामग्री चस्पा करने, लगाने या दीवार पर चुनावी विज्ञापन लिखवाने सहित अन्य प्रकार की शिकायतें कर सकते हैं।

चौथे चरण के लिए 5वें दिन 11 अभ्यर्थियों ने दाखिल किये 15 नाम निर्देशन पत्र

अब तक कुल 39 अभ्यर्थियों द्वारा 62 नाम निर्देशन-पत्र दाखिल

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया है कि लोकसभा निर्वाचन-2024 के निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार चौथे चरण के लिये नाम निर्देशन-पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया जारी है। चौथे चरण के लिये 5वें दिन मंगलवार को 11 अभ्यर्थियों ने 15 नाम निर्देशन-पत्र प्रस्तुत किये। अब तक 39 अभ्यर्थियों द्वारा 62 नाम निर्देशन-पत्र दाखिल किये जा चुके हैं।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने बताया कि चौथे चरण के लिये 5वें दिन 23 अप्रैल को लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक- 22 उज्जैन (अजा) में 2 अभ्यर्थियों द्वारा 3 नाम निर्देशन पत्र, क्रमांक-23 मंदसौर में एक अभ्यर्थी द्वारा एक नाम निर्देशन पत्र, क्रमांक-24 रतलाम (अजजा) में 2 अभ्यर्थियों द्वारा 3 नाम निर्देशन पत्र, क्रमांक-25 धार (अजजा) में एक अभ्यर्थी द्वारा 2 नाम निर्देशन पत्र, क्रमांक-26 इंदौर में 2 अभ्यर्थियों द्वारा 3 नाम निर्देशन-पत्र, क्रमांक-27 खरगौन (अजजा) में एक अभ्यर्थी द्वारा एक नाम निर्देशन-पत्र एवं क्रमांक-28 खण्डवा में 2 अभ्यर्थियों द्वारा 2 नाम निर्देशन-पत्र दाखिल किये गये। चौथे चरण के लोकसभा संसदीय क्रमांक-21 देवास (अजा) में आज किसी भी अभ्यर्थी द्वारा कोई भी नाम निर्देशन-पत्र दाखिल नहीं किया गया।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने बताया कि नाम निर्देशन-पत्र दाखिल किये गये अभ्यर्थियों के शपथ पत्र एवं अन्य जानकारियां भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट की लिंक https://affidavit.eci.gov.in/ पर देखी जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि नाम निर्देशन-पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि गुरूवार, 25 अप्रैल है। इसके अगले दिन शुक्रवार, 26 अप्रैल को नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा की जाएगी। नाम निर्देशन-पत्र दाखिल कर चुके प्रत्याशी सोमवार, 29 अप्रैल तक अपने नाम वापस ले सकेंगे। चौथे चरण के लिए सोमवार, 13 मई को मतदान होगा। सभी चरणों में हुये मतदान की मतगणना मंगलवार, 4 जून को होगी।

इंदौर BJP प्रत्याशी की प्रॉपर्टी 6 गुना तक बढ़ी-2019 में सांसद चुनाव जीतने के बाद खरीदी पहली कार; 5 साल ये भी बदलाव..

बीजेपी के प्रत्याशी शंकर लालवानी ने इंदौर लोकसभा क्षेत्र के लिए मंगलवार को नामांकन फॉर्म दाखिल कर दिया। यह मुहूर्त का फॉर्म था। दो दिन बाद 25 अप्रैल को वे मुख्यमंत्री की मौजूदगी में अलग से भी फॉर्म भरेंगे। उनका मुकाबला कांग्रेस के अक्षय कांति बम है जिन्होंने अभी नामांकन दाखिल नहीं किया है।

लालवानी भाजपा के टिकट पर दूसरी बार चुनाव लड़ने जा रहे हैं। 5 साल में उनकी प्रॉपर्टी करीब दो करोड़ के करीब पहुंच गई है। यह 6 गुना तक बढ़ी है।

2019 के बाद 2024 तक 5 साल में सांसद और भाजपा प्रत्याशी लालवानी की प्रॉपर्टी में क्या बदलाव आया..

1. पहले कंसल्टेंट बताते थे, अब केवल लोकसभा सदस्य लिखने लगे हैं

नामांकन के दौरान दिए शपथ पत्र के अनुसार शंकर लालवानी इंजीनियर और कंसल्टेंट लिखते थे। अब लोकसभा सदस्य लिखने लगे हैं। बी-टेक तक पढ़े हैं। सालाना आय 17 लाख रुपए से ज्यादा है। 1 करोड़ 49 लाख रुपए की चल संपत्ति है। अचल संपत्ति 45.80 लाख रुपए है। कुल संपत्ति 1 करोड़ 95 लाख रुपए हो गई है। 2019 में यह संपत्ति 29 लाख रुपए ही दर्शाई थी। ??????यानी 5 साल में 6 गुना की बढ़ोत्तरी हो गई है। तब उनकी सालाना भी 10 लाख रु. ही थी।

2. सबसे ज्यादा बढ़ोतरी बैंक बैलेंस में, बैंक अकाउंट बढ़कर 6 हो गए

लालवानी के पहले पहले तीन बैंक खाते ही थे, जो बढ़कर 6 हो गए। पहले उनके खाते में 14.5 लाख रुपए ही थे, अब 2024 में बढ़कर 88 लाख रुपए के करीब बैंक बैलेंस हो गया है। चल संपत्ति बढ़ने में शेयर बाजार की वैल्यू भी ज्यादा रही है। आशी इंडिया के 4 हजार शेयर 10 रुपए प्रति शेयर भाव में खरीदे थे। शेयर 2019 के दौरान 240 के भाव पर 9.60 लाख रुपए के थे, जा अब 575 रुपए रेट के हैं। इनकी मार्केट वैल्यू अब 23 लाख रुपए हो गई है।

3. उनके पास कार नहीं थी, 2019 में सांसद बनते ही इनोवा खरीदी

2019 तक लालवानी के पास कोई वाहन नहीं था। कार भी नहीं। इसका जिक्र उन्होंने तब शपथ पत्र में भी किया था। हालांकि, पहली बार सांसद बनने के तुरंत बाद उन्होंने 21 लाख की इनोवा कार खरीद ली थी। यह कर चुनाव के तीन से चार महीने के दौरान ही उनके घर आ गई थी। उनके ऊपर 10 लाख रुपए का लोन भी है।

बेटे को दे रखे हैं 9 लाख रुपए

2019 के बाद लालवानी को विरासत में दो प्लाट भी परिवार की ओर से मिले। इनकी कीमत 45 लाख रुपए है। इसके अलावा 60 ग्राम सोने की ज्वेलरी है, जिसकी कीमत 1.92 लाख से बढ़कर 3.27 लाख रुपए हो गई है। बेटे मीत को व्यक्तिगत रूप से 9 लाख 99 हजार 500 रूपए का लोन दिया हुआ है।

डेटा की दुनिया में निजता की सुरक्षा

भूमिका- डिजिटल क्रांति के युग में, जहां हर जानकारी एक क्लिक पर है, डेटा संरक्षण और प्राइवेसी अनिवार्य हो गए हैं। इस लेख में हम इसकी गंभीरता और भारतीय संदर्भ को उजागर करेंगे।

डेटा संरक्षण की जरूरत- डेटा ब्रीचेस और साइबर हमले डेटा संरक्षण की मांग करते हैं। उपभोक्ता की निजता की सुरक्षा हेतु नियमों की चर्चा होगी।

कानूनी परिचय- GDPR और PDP बिल के माध्यम से डेटा संरक्षण कानूनों की समीक्षा।

उपभोक्ता के अधिकार- निजी डेटा की सुरक्षा और उपभोक्ता के अधिकारों पर प्रकाश।

कॉर्पोरेट जिम्मेदारी- कंपनियों की भूमिका और उनके डेटा सुरक्षा दायित्वों का विवरण।

चुनौतियाँ और दिशा- AI, बिग डेटा के युग में आगामी तकनीकी चुनौतियों और नीतिगत जरूरतों पर चर्चा।

नीतिगत सिफारिशें- सुधार के लिए सुझाव और विभिन्न स्टेकहोल्डर्स की सहयोगी रणनीतियाँ।

निष्कर्ष-डेटा संरक्षण और प्राइवेसी के प्रति जागरूकता और सजगता का महत्व।

विशेषज्ञ टिप्पणी- नवीन विकास और अदालती मामलों पर कानूनी विशेषज्ञ की राय।

विकास भारद्वाज, अधिवक्ता

इंदौर में सूदखोरी, 20 हजार के वसूले 4 लाख-6 लाख और मांगे, धमकाकर मकान की नोटरी भी हथिया ली

इंदौर के बाणगंगा इलाके में एक सूदखोरी का मामला सामने आया है। इसमें आरोपियों ने 20 हजार के बदले हिसाब-किताब बढ़ाकर लाखों रुपए। फिर मकान में डॉक्यूमेंट साइन करवाकर अपने पास रख लिये। अब सूदखोर 6 लाख की मांग और कर रहे हैं। जिसके चलते मारपीट तक की गई।

बाणगंगा पुलिस ने 56 साल की कलाबाई पिपलें निवासी कुशवाह नगर की शिकायत पर ज्योति शर्मा निवासी गंगाबाग कॉलोनी, रामसमुझ पाल,अजय पाल और गीता पाल निवासी कुशवाह नगर पर सूदखोर की धाराओं में केस दर्ज किया है।

कलाबाई ने बताया कि वह अप्रैल 2020 बहू शालू और उन्होंने ज्योति से 20 हजार रुपए लिये थे। लॉकडाउन लगने से वह रुपए नहीं दे पाई। लॉकडाउन खत्म होने के बाद ज्योति को 40 हजार रुपए दिए। इसके बाद भी हर माह वह कुछ ना कुछ रुपए पैनल्टी का कहकर वसूलती रही।

कुछ दिन बाद ज्योति ने बताया कि वह रुपए रामसमुझ, अजय और गीता के हैं। जो बढ़कर करीब 4 लाख रुपए हो गए हैं। इसके बाद 20 सितंबर 2022 को ज्योति ने जबरन कुछ डॉक्यूमेंट पर बहू से साइन करवा लिए।

इंदौर में वोट डालकर आओ..पोहा-जलेबी, चाइनीज सब फ्री खाओ-सीनियर सिटीजन और पहली बार के वोटर्स के लिए स्पेशल ऑफर भी..

जायके की राजधानी इंदौर में लोकसभा चुनाव में वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने के लिए प्रयोग किया जा रहा है। 13 मई को छप्पन समेत तमाम मार्केट में वोटिंग के दिन खाने-पीने में खास छूट दी जाएगी। गर्मी को देखते हुए उससे जुड़े आइटम को खास तौर पर शामिल कर लिया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार छप्पन मार्केट समेत कई प्रतिष्ठानों ने इस छूट पर जिला प्रशासन को सहमति दे दी है।

इनमें फ्री आइसक्रीम, पोहा-जलेबी, कोल्ड्रिंक के अलावा भी कई आइटम पर ऑफर दिए जाएंगे। इसके अलग अलग-अलग कैटेगरी, टाइमिंग का दायरा तय किया जा रहा है। वोटर्स को वोटर कार्ड के अलावा उंगली पर स्याही का निशान दिखाना पड़ेगा।

पहली बार वोट देने वाले युवा के अलावा वरिष्ठ नागरिक, जो वोटिंग के दिन सुबह 9 बजे के पहले मत डाल आते हैं, उन्हें पोहा, जलेबी के साथ आइस्क्रीम भी खिलाई जाएगी।

वोटिंग डे पर खानपान में कहां फ्री, कहां छूट..

छप्पन दुकान एसोसिएशन - सुबह 7 बजे से 9 बजे तक वोट देने वालों को फ्री पोहा, जलेबी पहली बार वोट डालने वाले युवाओं के अलावा सुबह जल्दी वोट डालने वाले सीनियर सिटीजंस को आइस्क्रीम भी मिलेगी।

चॉइस चाइनीज़ सेंटर - कृष्णपुरा छत्री रोड पर बजरंग मंदिर के पास मन्चुरियन और नूडल्स फ्री

अपना स्वीट्स -सभी आउट लेट एवं ग्रैंड माचल रिसोर्ट में सभी आइटम पर 10% की छूट

रोहन झाजरिया की ओर से- चुनिंदा 50-60 मतदान केन्द्रों पर फ्री नाश्ता और कोल्डड्रिंक

होटल एसोसिएशन -स्पेशल डिस्काउंट मिलेगा, जिसकी घोषणा जल्द कर दी जाएगी

5 मई को मैराथन भी होगी

वोटिंग से सात दिन पहले 5 मई को सुबह 5.30 बजे मैराथन भी कराई जाएगी। आयोजक छाबड़ा ग्रुप को बनाया गया है। 5 किलोमीटर तक दौड़ने वालों को गिफ्ट, मैडल, प्रमाणपत्र, टी शर्ट आदि दिए जाएंगे। 10 किमी तक की दौड़ पूरी करने वालों को ये सभी गिफ्ट मिलेगा। तीन पुरस्कार भी रखे गए हैं।

कलेक्टर ने ली बैठक

मंगलवार शाम को कलेक्टर आशीष सिंह ने अलग-अलग एसोसिएशन के पदाधिकारियों की बैठक ली। इसमें पदाधिकारियों ने ज्यादा से ज्यादा मतदान कराने के लिए अपने ओर सुझाव दिए। इसके साथ ही इसका ज्यादा से ज्यादा प्रचार करने की बात कही ताकि लोगों में जागरूकता आए।

पिछली बार 70.02 प्रतिशत वोट पड़े थे

दरअसल, चुनाव गर्मी में होने से वोटिंग पर्सेंट कम रहने की आशंका है। पिछली बार भी 70.02 प्रतिशत ही वोट पड़ा था। इस बार इसे 75 के आसपास ले जाने की कोशिश की जाएगी। बता दें कि देश में मतदान के पहले चरण में वोटिंग प्रतिशत में कमी आई है। इससे चुनाव आयोग भी चिंतित है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)